Roll No. ...1222580234...

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 8

(2034)

UG (CBCS) IInd Year Annual Examination

2871

B.A. HINDI

(Hindi Gadya Sahitya)

(Core)

(DSC-1D)

Paper : HIND 203

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 70

नोट :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से किन्हीं **चौदह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) जैनेन्द्र कुमार का मूल नाम क्या था ?

(क) प्यारेलाल

(ख) आनन्दीलाल

(ग) सोहनलाल

2025/1/31 19:00

(ii) 'त्यागपत्र' उपन्यास कब प्रकाशित हुआ ?

(क) 1929

(ख) 1935

(ग) 1937

(iii) प्रेमचन्द का जन्म स्थान है :

(क) लमही

(ख) नयागाँव

(ग) देहरी

(iv) कौनसी कहानी प्रेमचन्द की है ?

(क) पूस की रात

(ख) आकशदीप

(ग) मलबे का मालिक

(v) जयशंकर प्रसाद जी के पिता का नाम क्या है ?

(क) शिवरत्न

(ख) देवीप्रसाद

(ग) बुद्धगुप्त

(vi) यशपाल की आत्मकथा का नाम है :

(क) सिंहावलोकन

(ख) देशद्रोही

(ग) दादा कामरेड

2025/1/31 19:00

(vii) उषा प्रियंवदा ने किस विश्वविद्यालय में अध्यापन किया ?

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय

(ख) इलाहाबाद विश्वविद्यालय

(ग) राजस्थान विश्वविद्यालय

(viii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का जन्म कब हुआ ?

(क) 1880

(ख) 1884

(ग) 1888

(ix) 'लोभ और प्रीति' निबन्ध के रचयिता हैं :

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(x) 'अशोक के फूल' किसकी रचना है ?

(क) बुद्धगुप्त

(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) रामचन्द्र शुक्ल

(xi) हजारी प्रसाद द्विवेदी का उपन्यास है :

(क) चारु-चन्द्रलेखा

(ख) निर्मला

(ग) तितली

2025/1/31 19:01

(xii) महादेवी वर्मा की रचना नहीं है :

(क) नीहार

(ख) दीपशिखा

(ग) गोदान

(xiii) महादेवी वर्मा की रचनाएँ नीहार, नीरजा, रश्मि किस विधा की हैं ?

(क) काव्य

(ख) कहानी

(ग) उपन्यास

(xiv) प्रभा खेतान कौनसी फर्म की प्रबन्ध निर्देशिका रही थीं ?

(क) न्यू होराइजन लिमिटेड

(ख) लेदर टोन

(ग) न्यू मैरी गोल्ड

(xv) प्रभा खेतान ने किस विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की ?

(क) अंग्रेजी

(ख) उर्दू

(ग) दर्शनशास्त्र

1×14=14

2025/1/31 19:01

2. (क) निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"बाबू जी कमरे में टहलने लगे। कुछ देर तक वह भी कुछ नहीं बोले। फिर कहा–"मिनी, सच बताओ, क्या बात है ?" यह कहकर कुछ ठहरे। मृणाल चुप रही, तो फिर टहलने लगे। एकाएक रुककर बोले–"मृणाल मैं देखता हूँ, तुम्हें तकलीफ है। बताओगी नहीं तो मैं कैसे जानूँगा ? क्या करूँगा ? मिनी, तुझे पिता जी की तो क्या याद होगी ? तू नन्हीं सी थी। तभी पिता जी उठ गये। माँ तो देखी ही कब है। सबकी जगह मैं ही तेरे लिए रह गया। मुझसे न कहेगी तो किससे कहेगी ? मृणाल बेटा, सच बता, क्या बात है ?"

अथवा

"मन में एक गांठ सी पड़ती जाती थी। वह न खुलती थी, न घुलती थी। बल्कि कुछ करो, वह और उलझती और कसती ही जाती थी। जो होता था। कुछ होने चाहिए था, कुछ करना चाहिए, कहीं कुछ गड-बड़ है। कहीं कुछ क्यों, सब गड़बड़ ही गड़बड़ है। सृष्टि गलत है, समाज गलत है। जीवन ही हमारा गलत है। सारा चक्कर यह ऊटपटाँग है। इसमें तर्क नहीं है, संगति नहीं है, कुछ नहीं है। इससे जरूर कुछ होना होगा, कुछ करना होगा।"

(ख) 'त्यागपत्र' उपन्यास में जैनेन्द्र ने किस सामाजिक समस्या को उठाया है ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2025/1/31 19:01

अथवा

जैनेन्द्र के 'त्यागपत्र' उपन्यास के आधार पर प्रमोद का चरित्र-चित्रण कीजिए। 7+7=14

3. (क) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"तारक-खचित नील अम्बर और नील समुद्र के अवकाश में पवन ऊधम मचा रहा था। यह दुष्ट हो रहा था। समुद्र में आन्दोलन था। नौका लहरों में विकल थी। स्त्री सतर्कता से लुढ़कने लगी। एक मतवाले नाविक के शरीर से टकराती हुई सावधानी से उसका कृपाण निकालकर फिर लुढ़कते हुए, बंदी के समीप पहुँच गयी। सहसा पोत से पथ-प्रदर्शक ने चिल्लाकर कहा—"आँधी!"

अथवा

"मुहल्ले में चौधरी पीरबक्श की इज्ज़त थी। उस इज्ज़त का आधार था, घर के दरवाजे पर लटका परदा। भीतर जो हो, पर्दा सलामत रहता था। कभी बच्चों की खींच-खाँच या बेदरद, हवा के झोंकों से उसमें छेद हो जाते तो परदे की आड़ में जनाने, हाथ सुई-धागा लेकर उसकी मरम्मत कर देते थे।"

(ख) 'नमक का दरोगा' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

अथवा

'परदा' कहानी के कथानक पर प्रकाश डालिए। 7+7=14

2025/1/31 19:0

4. (क) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"सबेरे देखने का विचार करके नीचे उतर रहे थे। वसन्त का समय था। महुए चारों ओर टपक रहे थे। मेरे मुँह से निकला--'महुओं की कैसी मीठी महक आ रही है।' इस पर लखनवी महाशय ने मुझे रोकर कहा, "यहाँ महुए-सहुए का नाम न लीजिए, लोग देहाती समझेंगे।" मैं चुप हो गया, समझ गया कि महुए का नाम जानने से बाबूपन में बड़ा भारी बट्टा लगता है।"

अथवा

"जो समझता है कि दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाय, बहुत अच्छी बात है। नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए।"

(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी के 'कुटज' पाठ का सार लिखिए।

अथवा

'लोभ और प्रीति' के आधार पर शुक्ल की निबन्ध शैली पर प्रकाश डालिए।

7+7=14

2025/1/31 19:01

5. (क) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"मैं समझती हूँ, आपकी स्थिति उनसे भिन्न होनी चाहिए और उसका कारण है--आप भारत माँ के तुषार किरीट की छाया में उत्पन्न होते हैं, आपको निर्झर लोरियाँ सुनाते हैं, आपको रंगीन बादल छाया देते हैं। आपके लिए प्रकृति की हरी-भरी गोद पालना बन जाती है, देवदारू के आकाश चुम्बी वृक्ष आपके प्रहरी हैं, यह आपको प्रकृति का दान है।"

अथवा

"भूमण्डलीकृत समाज में एक ओर परम्परा के अवशेष मिलते हैं, उनके हिस्से जगमगाते हैं, तो दूसरी ओर, हम आधुनिकता की स्थापित सीमा के पार भी चले जाते हैं। हर कथन का दोहरा आशय है। विडम्बना है कि परम्परा में जो विखराव, उलझन एवं विसंगतियाँ हैं वे ही बहुलता को हासिल करने में समर्थ हैं। अत: हम क्या हैं ? हम भूमण्डलवासी कौन हैं ? इस भूमण्डलीकृत समाज में स्त्री कहाँ आसीन है ? उसे कौन-कौनसे चुनाव उपलब्ध हैं ?"

(ख) महादेवी वर्मा ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय के दीक्षांत भाषण में 1975 में 'संस्कृति और शिक्षा' पर जो विचार व्यक्त किये उनका सार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

प्रभा खेतान के लेख 'भूमण्डलीकरण : धार्मिक समाज और पूँजीवादी समाज' का सार अपने शब्दों में लिखिए।

7+7=14

2025/1/31 19:02